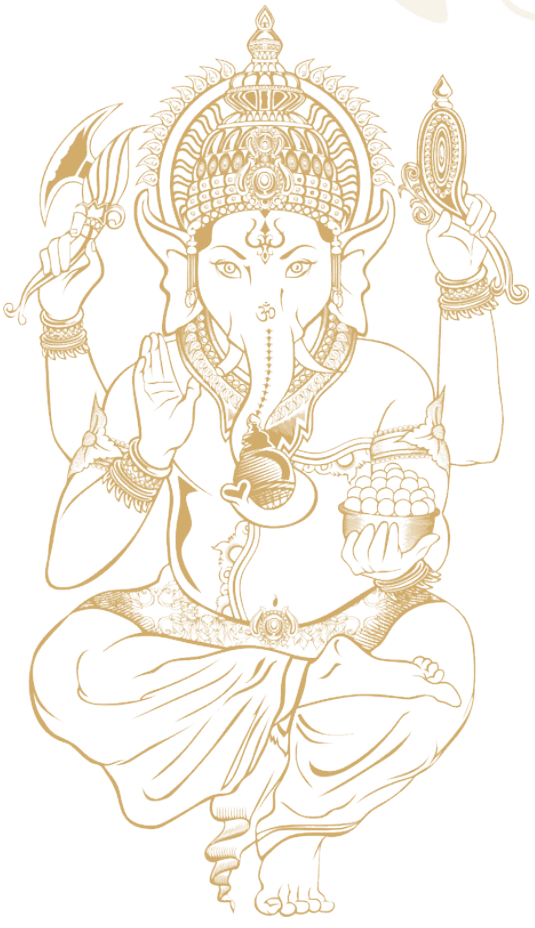

Lakshay

MEGHA

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121235601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121235601 Date: 10/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/11/1998	जन्म तिथि	23-24/10/2000
मंगलवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 07:20:00	जन्म समय	04:50:00 घंटे
घटी 01:44:38	जन्म समय(घटी)	55:49:51 घटी
India	देश	India
Solan	स्थान	Solan
30:54:00 उत्तर	अक्षांश	30:54:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व	रेखांश	77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:08	सूर्योदय	06:30:03
17:32:49	सूर्यास्त	17:41:30
23:50:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:49

तुला	लग्न	कन्या
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मेष	राशि	सिंह
मंगल	राशि-स्वामी	सूर्य
अश्विनी	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
केतु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	4
वज्र	योग	ब्रह्म
वणिज	करण	कौलव
चू-चूड़ामणि	जन्म नामाक्षर	टू-टुनटुन
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	वनचर
अश्व	योनि	मूषक
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	श्वान

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 10मा 23दि		24:35:42	तुला	लग्न	कन्या	14:35:22	शुक्र 3वर्ष 3मा 14दि	
सूर्य		16:35:55	तुला	सूर्य	तुला	06:59:21	मंगल	
26/09/2025		00:11:39	मेष	चंद्र	सिंह	24:28:27	07/02/2020	
27/09/2031		22:07:54	सिंह	मंगल	सिंह	29:15:50	07/02/2027	
सूर्य	14/01/2026	08:00:06	वृश्चि	बुध व	तुला	19:53:39	मंगल	05/07/2020
चन्द्र	16/07/2026	24:30:38	कुंभ व	गुरु व	वृष	16:23:00	राहु	24/07/2021
मंगल	20/11/2026	17:35:13	तुला	शुक्र	वृश्चि	11:51:01	गुरु	29/06/2022
राहु	15/10/2027	05:30:25	मेष व	शनि व	वृष	05:39:06	शनि	08/08/2023
गुरु	02/08/2028	04:51:33	सिंह व	राहु व	मिथु	25:17:10	बुध	04/08/2024
शनि	15/07/2029	04:51:33	कुंभ व	केतु व	धनु	25:17:10	केतु	01/01/2025
बुध	22/05/2030	15:04:15	मक	हर्ष व	मक	23:02:04	शुक्र	03/03/2026
केतु	27/09/2030	05:41:16	मक	नेप	मक	09:56:47	सूर्य	09/07/2026
शुक्र	27/09/2031	13:02:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	17:21:52	चन्द्र	07/02/2027

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:16 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:49

लग्न-चलित

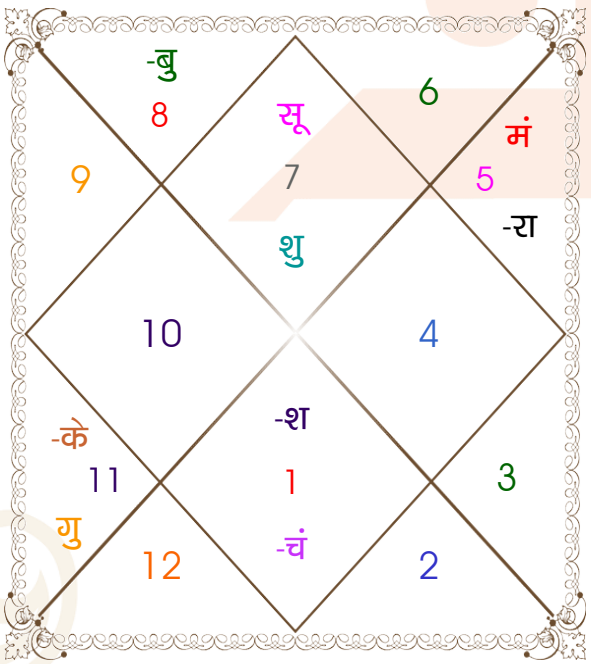

लग्न-चलित

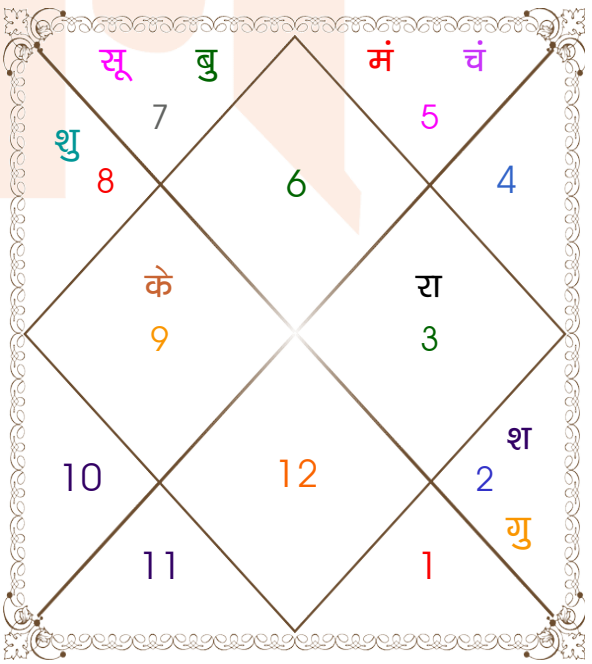

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

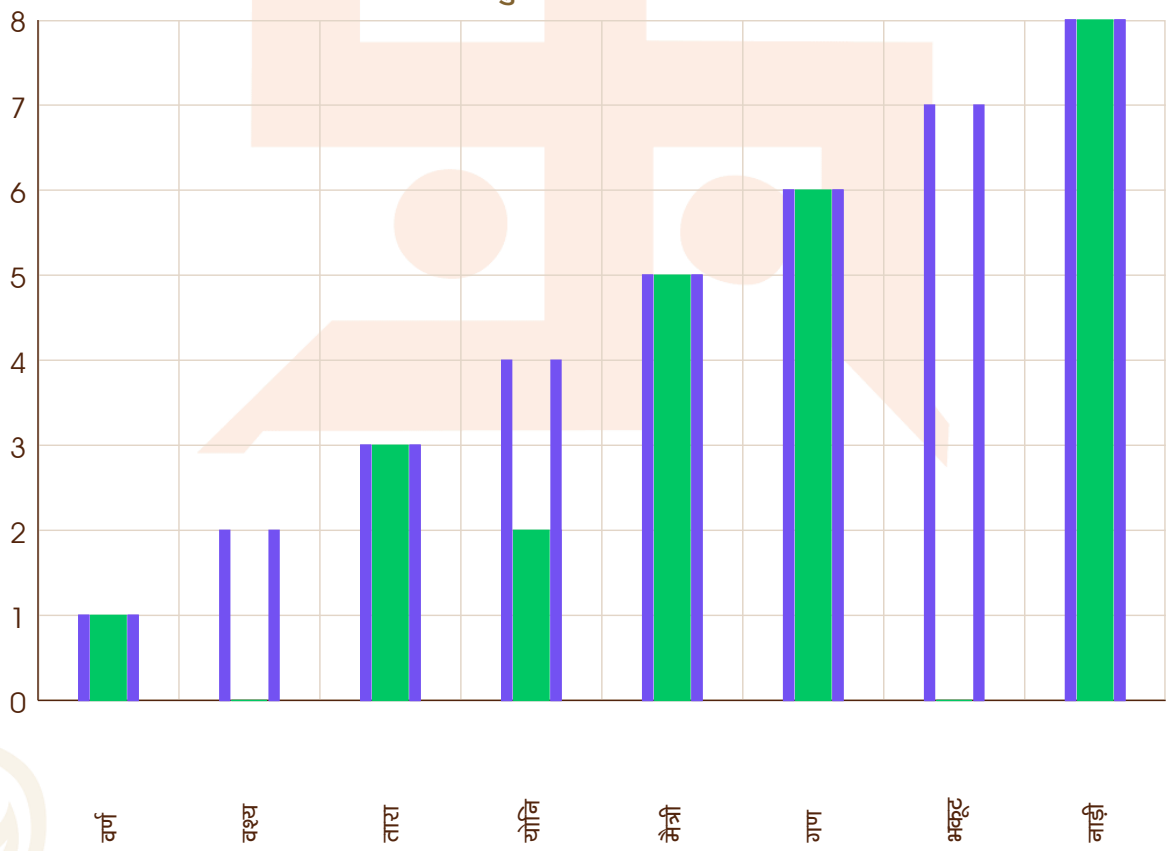

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Lakshay का वर्ग सिंह है तथा डम्ळभ। का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Lakshay और डम्ळभ। का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Lakshay मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डम्ळभ। मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डम्ळभ। कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Lakshay कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Lakshay तथा डम्ळभ। में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Lakshay का वर्ण क्षत्रिय तथा डम्ळभ। का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Lakshay का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं डम्ळभ। का वश्य वनचर अर्थात सिंह (शेर) है। जिसके कारण यह मिलान अशुभ मिलान होगा। पशु हमेशा वनचरों (सिंह) के शिकार होत रहते हैं। पशुओं को हमेशा शेर से स्वयं की रक्षा करनी पड़ती है क्योंकि शेर, पशुओं को मारकर खा जाते हैं। इसी प्रकार यदि Lakshay चतुष्पद एवं डम्ळभ। वनचर हो तो डम्ळभ। समय समय पर क्रूर स्वभाव, निर्दयी एवं हावी रहने वाली प्रवृत्ति की हो सकती है। फलस्वरूप डम्ळभ। Lakshay पर कभी-कभी हावी रहेगी जो Lakshay एवं उसके परिवार के लिए अच्छा नहीं रहेगा। डम्ळभ। का यह स्वभाव पूरी तरह से घर एवं परिवार की शांति को भंग कर सकता है तथा डम्ळभ। के असामान्य व्यवहार के कारण घर में अव्यवस्था एवं कोलाहल का माहौल रह सकता है।

तारा

Lakshay की तारा अतिमित्र तथा डम्ळभ। की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Lakshay हमेशा डम्ळभ। के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Lakshay की योनि अश्व है तथा डम्ळभ। की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Lakshay एवं डम्ळभ। दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Lakshay एवं डम्ळभ। के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Lakshay एवं डम्ळभ। जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Lakshay का गण देव तथा डम्ळभ। का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु डम्ळभ। अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Lakshay से डम्ळभ। की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा डम्ळभ। से Lakshay की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण डम्ळभ। को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नाड़ी

Lakshay की नाड़ी आद्य है तथा डम्ळभ। की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Lakshay की राशि मेष तथा डम्ळभ। की राशि सिंह है। ये दोनों राशियां अग्नितत्व से संबधित है। इसके प्रभाव से आपका जीवन सामान्यतया सुखी रहेगा परन्तु तेजस्वी प्रवृति के कारण यदा कदा आप लोगों के मध्य विवाद भी होंगे परन्तु इनमें कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं होगी तथा आपसी सहमति से इनको दूर करने में समर्थ होंगे।

Lakshay और डम्ळभ। दोनों के राशि स्वामी मंगल तथा सूर्य मित्र है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति शुभ रहेगी तथा Lakshay और डम्ळभ। दोनों अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति उत्साह, पराक्रम एवं बुद्धिमता के गुणों से पूर्ण करेंगे। यद्यपि Lakshay डम्ळभ। को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उदारता एवं आदर्श के भाव से युक्त रहेंगे परन्तु यदा कदा Lakshay की डम्ळभ। के प्रति उपेक्षा की भावना रहेगी तो वह स्वार्थी होने का उनके ऊपर दोषारोपण करेंगी लेकिन कुछ समय बाद स्थिति ठीक हो जाएगी।

Lakshay और डम्ळभ। दोनों की राशियां परस्पर पंचम नवम भाव में पड़ती है जो शास्त्रानुसार भकूट दोष है। अतः इससे दोनों में परस्पर ईर्ष्या एवं अभिमान की भावना रहेगी। इसका प्रभाव इनके दाम्पत्य जीवन पर पड़ेगा। साथ ही दोनों मुक्त प्रेम प्रदर्शन पर भी विश्वास करेंगे। इससे इनके मन में एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या के भाव की उत्पति होगी जिसका भविष्य में अच्छा असर नहीं होगा। अतः ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा से ही सुख एवं शांति के क्षण प्राप्त हो सकते है।

Lakshay का वश्य चतुष्पद एवं डम्ळभ। का वश्य वनचर है अतः इनकी परस्पर समानता के कारण इनकी कामेच्छाएं समान स्तर की होंगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में सन्तुष्ट होंगे। यद्यपि डम्ळभ। की पूर्व प्रेम स्मृतियों के कारण Lakshay किंचित ईर्ष्या की अनुभूति करेंगे परन्तु आपसी सामजंस्य से इसमें अनुकूलता रहेगी।

आप दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः कार्य क्षमता एवं कार्य क्षेत्रों में समानता रहेगी तथा उत्साह, साहस , पराक्रम तथा परिश्रम से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगे जिससे कार्य क्षेत्र की सुदृढ़ता नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेगी।

धन

Lakshay की तारा अतिमित्र तथा डम्ळभ। की तारा सम्पत है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सर्वदा तत्पर होंगे। साथ ही भकूट का इनकी सुदृढ़ आर्थिक स्थिति पर किसी भी प्रकार शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा लेकिन मंगल के प्रभाव से Lakshay यदा कदा सामान्य हानि या व्यय से परेशानी की अनुभूति कर सकते है परन्तु यह अल्प समय के लिए होगा।

डम्ळभ। धनाढ्य एवं सौभाग्यशाली महिला होंगी तथा उसके शुभ प्रभाव एवं

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अपनी योग्यता तथा परिश्रम के बल पर Lakshay अपने धन की वृद्धि करने में तत्पर रहेंगे। लेकिन मंगल के प्रभाव से डम्ळभ। की प्रवृति अनावश्यक मात्रा में अधिक व्यय करने की होगी तथा विलासमय वस्तुओं पर व्यर्थ में ही व्यय करेंगी। अतः डम्ळभ। को ऐसी प्रवृति की उपेक्षा करना ही श्रेयष्कर रहेगा।

स्वास्थ्य

Lakshay का जन्म आद्य तथा डम्ळभ। का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव Lakshay के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम क्रिया संबधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Lakshay को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से Lakshay और डम्ळभ। का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Lakshay और डम्ळभ। को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Lakshay और डम्ळभ। के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

डम्ळभ। का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः डम्ळभ। के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार डम्ळभ। सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Lakshay और डम्ळभ। को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Lakshay और डम्ळभ। का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ससुराल-सुश्री

डम्ळभ। के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से डम्ळभ। किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। डम्ळभ। के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से डम्ळभ। को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा डम्ळभ। को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से डम्ळभ। के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार डम्ळभ। के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

Lakshay की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Lakshay सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Lakshay ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Lakshay के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com